INDIAN EXPRESS, Delhi, 13.11.2024
Page No. 18, Size:(18.34)cms X (7.42)cms.

GAIL reported Revenue from Operations of Rs 66,622 crore for the period April – September 2024 as compared to Rs 64,050 crore in corresponding period of Financial Year 2023-24. Profit before Tax (PBT) for H1 FY25 stood at Rs 7,095 crore as compared to Rs 5,019 crore for the corresponding period in previous year. Profit after Tax (PAT) stood at Rs 5,396 crore in H1 FY25 as compared to Rs 3,817 crore in corresponding period of previous year. GAIL has witnessed its highest-ever half-yearly EBITDA, PBT & PAT in H1 FY'2025.

DAINIK BHASKAR, Delhi, 13.11.2024
Page No. 6, Size:(16.62)cms X (15.56)cms.

आइसर भौरी में बनाएगा सौर ऊर्जा रिसर्च सेंटर, 550 करोड़ खर्च होंगे

हरेकृष्ण दुबोलिया | भोपाल

प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा रिसर्च सेंटर भोपाल के भौरी में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) के बनाएगा। इसके लिए आइसर को कैंपस में करीब 53.75 एकड़ जमीन मुफ्त दी गई है। यह रिसर्च सेंटर 550 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित होगा। इसके निर्माण के लिए केंद्र सरकार के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों जैसे गेल इंडिया, कोल इंडिया और इंडियन ऑयल के सीएसआर फंड से वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। इस सेंटर का निर्माण अगले दो वर्षों में पूरा करने की योजना है।

केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर राज्य सरकार जल्द ही आइसर प्रबंधन को 21.5 हेक्टेयर सरकारी जमीन का स्थाई पट्टा जारी करेगी। इसका प्रीमियम निशुल्क होगा और वार्षिक लीज रेंट मात्र एक रुपया होगा। यह रिसर्च सेंटर आइसर के केमिस्ट्री, फिजिक्स, अर्थ एंड एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री, इलेक्ट्रिकल और केमिकल इंजीनियरिंग, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभागों द्वारा मिलकर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही आइसर में एमटेक-रिन्यूएबल एनर्जी कोर्स भी शुरू किया जाएगा। इस सेंटर को आइसर के केमिस्ट्री, फिजिक्स, अर्थ एंड एनवायरोमेंट केमिकल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग मिलकर स्थापित करेंगे।

केंद्र सरकार ने भोपाल आइसर को ये 5 रिसर्च टारगेट सौंपे हैं

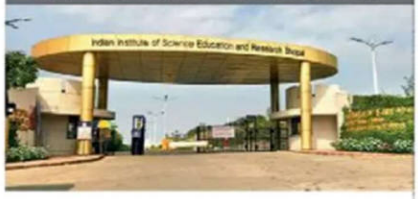

- सोलर सेल की ऊर्जा उत्पादन दक्षता बढ़ाना है।
- ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी उत्पादन को सस्ता बनाना।
- पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन में लाइन लॉस घटाने वाली तकनीक विकसित करना।
- ऊर्जा उत्पादन में कार्बन उत्सर्जन घटाना।
- विंड एनर्जी में उत्पादन क्षमता बढ़ाना और इसे कॉस्ट इफेक्टिव बनाना।

मकसद... सोलर, विंड, हाइड्रो और ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी पर यहां होगा शोध

- आइसर के एक्टिंग रजिस्ट्रार गौरव अवस्थी ने बताया कि इस रिसर्च सेंटर को स्थापित करने का मकसद सोलर, विंड, हाइड्रो और ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी समेत सभी प्रकार की रिन्युएबल एनर्जी पर नए शोध शुरू करना है।
- वर्तमान में मप्र में 7 हजार मेगावाट सोलर एनर्जी का उत्पादन हो रहा है। राज्य सरकार की सोलर के जरिए 8 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता और बढ़ाने की तैयारी है।

कैबिनेट में ये फैसले भी

बिरसा मुंडा जयंती पर धार शहडोल में होंगे कार्यक्रम

- कैबिनेट बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को धार व शहडोल में सरकार की ओर से राज्य स्तरीय कार्यक्रम होंगे। दोनों कार्यक्रमों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली संबोधित करेंगे।
- सीएम ने कैबिनेट शुरू होने से पहले मंत्रियों से कहा कि राज्य सरकार विकसित मप्र का विजन डॉक्यूमेंट 2047 बनाने जा रही है। सभी मंत्री अपने विभागों में इसकी तैयारी की समीक्षा करें।
- इंदौर में 150 करोड़ की लागत से वित्त निगम द्वारा बनाया गया भवन वाणिज्य कर विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा।
- 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले सरकारी कर्मचारियों को पेंशन निर्धारण में काल्पनिक रूप से वार्षिक वेतन वृद्धि देने का निर्णय लिया है।

पीएम आवास का लाभ मप्र को भी

शहरों को झुग्गी मुक्त बनाने के लिए पीएम आवास योजना में अब तक मप्र 9.5 लाख लोगों को घर दिए जा चुके हैं। इसमें खुद की भूमि पर मकान बनाने वालों को 2.5 लाख का अनुदान लेने वाले हितग्राही भी शामिल हैं। पीएम आवास योजना 2.0 में केंद्र ने देशभर में 3 करोड़ आवास निर्माण के लक्ष्य को मंजूरी दी है। इसका लाभ मप्र को भी मिलेगा।